



शासकीय गजेट ऑफ इंडिया The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

VS/ 51
2/11/88

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (d)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 622]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 28, 1988/ग्रहण 7, 1910

No. 622] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 28, 1988/AGRAHAYANA 7, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग हक्कलन के रूप में
रहा जा सके

Separate Paging Is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

प्रधिकार

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1988

आग्रह

का० घा० 1-08(अ) :- केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड, आग्रह कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 293 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्यात्--

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (वस्त्रा संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये 1 अक्टूबर, 1989 को प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम 1962 में,-

(1) नियम 11वाँ के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंत स्थापित किया जाएगा, अर्यात्--

"11वाँ धारा 80ण के प्रसीद करार के प्रत्युमोदन के लिए
आवेदन।

किसी कारार के प्रत्युमोदन के लिए धारा 80ण के प्रथम परम्परुक
के अधीन, यथास्थिति, मूल्य प्रायुक्त या महानिदेशक को आवे-
दन प्रकृप सं. 10वाँ में होगा।";

(2) परिविष्ट 2 में, प्रकृप सं. 10वाँ के पश्चात् निम्नलिखित
अंत स्थापित नियम जाएगा, अर्यात्--

"प्रकृप 10वा

(नियम 11वाँ विधिए)

कठिपय विदेशी उद्यमों से स्वामित्व धारि के बाबत कटौती से संबंधित
आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80ण के प्रसीद करार के प्रत्यु-
मोदन के लिए आवेदन--.

1. (i) आवेदक का नाम और पता

(ii) यह उल्लेख करें कि क्या आवेदक आय-कर अधिनियम, 1961
की धारा 2(26) में यथास्थिति भारतीय कंपनी है।

- (iii) स्थायी सेवा सं./माधारण सूचकांक रजिस्टर में;
- (iv) आ.क.अ./सं.भा./उप-आ./आ.आ. जिसकी अधिकारिता के भीतर आवेदक का निर्धारण किया गया है या निर्धारण योग्य है;
- (v) भारत में चलाग गए कारबाह की प्रहृति;
- (vi) क्या यह धारा 80-ए के प्रधीन प्रत्युषेवन के लिए प्रथम आवेदन है?

2 *** (i) विवेशी पक्षकार के साथ करार की तारीख

- (ii) यदि करार पर विविध तारीखों की पक्षकारी द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं तो उन तारीखों की उपर्युक्त प्रत्येक करें;

*** (iii) यदि करार किसी पूर्व की तारीख से प्रभावी होने के लिए तात्पर्य हो तो ऐसी तारीख उपर्युक्त करें:

3. (क) विवेशी परकार/विवेशी उद्यम का नाम और पक्ष जिससे निर्णीति दी गई आग प्राप्त की थी या करेगा; जिसकी बाबत कटौती का दावा किया गया है;

(ख) यदि निर्धारण भारत में किया गया है तो स्थायी सेवा सं./माधारण सूचकांक रजिस्टर सं. सहित वह आवेदक को जहाँ निर्धारण किया गया है;

(ग) विवेशी उद्यम द्वारा भारत में चलाए गए कारबाह यदि कोई हो, की प्रकृति और प्रवर्षान;

4. क्या निम्नलिखित के प्रतिक्रिया में आवेदक की गई है:-

(क) निम्नलिखित का भारत के बाहर प्रयोग:

- (i) कोई फ्रेंड आविष्कार, माइल, डिजाइन, गुप्त कार्मस्ला या प्रक्रिया, समान संस्थि अधिकार;

या

- (ii) अधौरीयिक, बाणिज्यिक या वैशानिक शास्त्र से संबंधित आनकारी, उपलब्ध कराया गया या प्रवाय किया गया या उपलब्ध कराए जाने या प्रदाय कि जाने के लिए तथ पाया गया अनुभव या कौशल;

(ख) भारत के बाहर की गई या भी जाने के लिए तथ पाई गई तकनीकी सेवाएँ।

5. यदि तकनीकी ज्ञान पूर्वोत्तम 4(क)(i) के अन्तर्गत आता है तो निम्नलिखित उपलब्धित करें:-

(क) आवेदक ने वह किस प्रकार अंजित किया था उसने उसे अंजित करने के लिए कौन से प्रबन्ध किए;

(ख) उसकी बाबत आवेदक के अपने स्वयं के अधिकार क्या हैं;

(ग) क्या कम्युनिकेशन के साथ उसके उपकरणों में निम्न अंजित अनुरूपित हैं;

(i) उसकी बाबत आवेदक के मधी या किन्ही अधिकारों का अनुरूप; यदि हो, तो कृपया अंतरित अधिकार की प्रकृति और विस्तार स्था उसके अनुरूप की भीमि का विवरण करें;

(ii) उसके कार्यकरण या प्रयोग के संबंध में कोई जानकारी देना; यदि हो, तो कृपया दी गई जानकारी और उसके दिए जाने की नीति का विवरण करें;

(iii) करार के अन्य पक्षकार द्वारा उपका प्रयोग; यदि हो, तो कृपया उसके प्रयोग की प्रकृति और नीति का विवरण करें;

6. यदि तकनीकी ज्ञान पूर्वोत्तम 4(क)(ii) के अन्तर्गत आता है तो निम्नलिखित का विवरण करें--

(क) उसे प्राप्त करने और देने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध प्रबन्ध;

(ख) देने की रीति;

(ग) विदेशी पक्षकार की दी गई उक्त आनकारी को समाविष्ट करने के लिए रिपोर्टों के बारे (प्रतियो संस्था करें)।

(घ) विवेशी पक्षकार द्वारा आनकारी का किस प्रकार प्रयोग किया गया है?

7. (क) पूर्वोत्तम 4(ख) में तकनीकी सेवाएँ करने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध प्रबन्धों के विवरण और ऐसी सेवाएँ करने की रीति।

(ख) यदि तकनीकी सेवाएँ भारत के बाहर की जाती हैं:-

(i) वह कोन जिसमें देवाएँ की गई जैसे (इंजीनियरी, कम्प्यूटर हार्डवेयर/सोफ्टवेयर, पोतपरिवहन, विकापन, परिवहन, सामग्री की घराई, मशीनरी, को खोलना, मशीनरी का अनुरूपण और प्रचालन, हस्तकारी जॉब, कठीशन करना, पर्यावरण)।

(ii) क्या प्रतिनियुक्त कार्मिक आवेदक के अपने स्वयं के कम्पचारी या सलाहकार हैं? यदि नहीं हैं तो क्या ये व्यक्ति किसी संविदा या करार के प्रतीक कार्य कर रहे हैं (उस दशा में, ऐसे करार की प्रतियो दी जाए)।

8. यदि तकनीकी कार्मिकों को विवेश में प्रतिनियुक्त किया गया था--

(क) ऐसे तकनीकी कार्मिकों के बारे;

(ख) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के विवेश में छहरने की प्रकृति; और

(ग) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा की गई वास्तविक सेवाएँ--

9. क्या करार उन सेवाओं से जिस जो धारा 80-ए के अन्तर्गत आती है, किसी सेवा के किए जाने या तकनीकी ज्ञान के प्रदाय का उपलब्ध करता है यथात् माल का प्रदाय, सेवाओं के सर्वी, प्रबन्धकीय, विस्तीय या विक्रय सेवा (आदि) यदि हो, तो कृपया उनका और ऐसे कार्यकरणों से संबंधित प्रतिक्रिया करें।

10. क्या आवेदक ने हस्त कर्ता के मधीन उपलब्ध कराए जाने वाले या तकनीकी सेवाएँ देने के लिए तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के लिए भारत या विवेश में किसी अन्य व्यक्ति के साथ कोई छहराव या करार किए हैं, यदि हो तो उनके बारे हैं:

(i) ऐसे व्यक्ति का नाम और पक्षा;

(ii) लिखित करार, यदि कोई हो की प्रमाणित प्रोत सहित करार या छहराव के बारे;

(iii) ऐसे व्यक्ति के साथ आवेदक के संबंध और सहयोग की प्रकृति और विस्तार।

11. क्या सेवाओं का कोई याग करार की तारीख के पूर्व किया गया था, यदि हो तो ऐसी सेवाओं से संबंधित आग प्राप्त का वह याग जिसे धारा 80-ए के प्रयोगजनों के लिए अनुशासन करना होगा।

12. क्या करार आवेदक पद पर कोई व्यापार निर्वन्धन प्रधिरोपित करता है, यदि हाँ तो ऐसे निर्वन्धन का विस्तार और ऐसे निर्वन्धन से संबंधित आय की बड़ी रकम जिसे धारा 80-ए के प्रधीन अनुज्ञात किया जाता है।

13. क्या करार में निम्नलिखित का उपलब्ध किया गया है :

(क) भारत में विद्यालयों वाली प्रशिक्षण;

(ख) यदि हाँ, तो कार्मिकों के प्रबोध और उनकी में, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा और ऐसे प्रशिक्षण की अवधि;

(ग) भारत में ऐसे प्रशिक्षण से संबंधित काल का भाग जिससे करार के प्रधीन कुल काल में से धारा 80-ए के प्रयोगों के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

14. यदि प्रदाय की गई मरीनरी या उपस्कर से संबंधित तकनीकी ज्ञान और तकनीकी दस्तावेजों के लिए वावत धारा 80-ए के प्रधीन है तो क्या करार में निम्नलिखित का उपलब्ध है :

(क) ऐसे ज्ञान और दस्तावेज आवेदक द्वारा प्रदाय किए जा रहे हैं;

(ख) ऐसे ज्ञान और दस्तावेज के लिए पृथक संवाय, यदि हाँ तो उसके बीचे हैं (यदि नहीं तो किस आधार पर धारा 80-ए के प्रधीन वार्षा किया गया है);

15. (क) क्या करार भारत में कोई अन्य सेवा करने के लिए उपलब्ध करता है ?

(ख) यदि हाँ, तो ऐसी सेवाओं से संबंधित आय का वह भाग उपलब्ध करें जिसे धारा 80-ए के प्रयोगों के लिए अनुज्ञात करता होगा।

16. क्या तकनीकी कार्मिकों के प्रबोध के लिए विदेशी पक्षकार को उसके प्रबोध के लिए करार है ? यदि हाँ, तो उसके बीचे हैं ।

17. आय की प्रहृति जिसकी आवत कठीनी का दावा किया गया है, अर्थात्, स्वामित्व कार्मण, काल या कोई अन्य समान संवाय ।

18. ऐसी रकम की संगणना भवित्व परिविदम की धारा 80-ए के प्रधीन कठीनों के लिए दावत की गई रकम ।

19. तकनीकी, ज्ञान, सेवाओं के प्रदाय के लिए संवाय के निवेदन और उसका ढाँचा ।

20. (क) क्या आय सम्पर्कितर्त्त्वात् विदेशी मुद्रा में भारत में प्राप्त की गई है ? यदि हाँ तो उसके दस्तावेजों गालिय काइन करें ।

(ख) यदि संदाय का कोई आदि नहीं है तो यह भिज किया गया है तो बीचे देकर उस भाव को उपलब्धित करें ।

21. विदेशी उद्यम के दिन प्रतिविदिम के प्रबन्ध में आवेदक के नियन्त्रण का नितना विस्तार है।

22. क्या आवेदक का उपरोक्त (3) पर विवेचन प्रधीन के साथ (व्यापार, तकनीकी सहायीय या सेवाओं का करना या किसी अन्य प्रयोगन के लिए कोई अन्य करार है) यांद हाँ, तो उसको प्रतिविदिम की गई जाए ।

23. यदि विद्याराधीन करार :--

(क) नवोकरण के लिए; (ख) विस्तारण के लिए; (ग) उपासरण के लिए; या (घ) किसी पूर्व करार के स्वान पर है-मूल कार्यों की प्रतिवादी जाएगी ।

24. किसी विदेशी पक्षकार के साथ जिसके प्रत्यर्पत कम संख्या 3 पर निविष्ट पक्षकार है, धारा 80-ए के प्रधीन अनुमोदन के लिए किसी पूर्व-प्रावेदन का विधिविद्या ।

(क) विदेशी पक्षकार का नाम,

(ख) करार की तारीख

(ग) धारा 80-ए के प्रधीन आवेदन की तारीख

(घ) आवेदन का परिणाम (अनुमोदन /नामजूर किए जाने के पद को प्रति संलग्न की जाए ।

25. (i) प्रथम निर्वाचन का विदेशी वावत धारा 80-ए के प्रधीन अनुमोदन ईमित है ।

(ii) परमात्मती निर्वाचन वर्ष जिसके लिए अनुमोदन के प्रधीन होने की घोषा की गई है ।

(iii) पूर्व वर्ष ।

(iv) इस करार के प्रधीन आय की वावत यथनाई जाने वाली सेवा को रीति,

**** 26. क्या आवेदक विदेशी अन्य विविध गों वैसा ही समान तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराया है या समान तकनीकी सेवाएं करता है जो दर्तमान करार के प्रधीन हैं ?

***** 27. क्या संवाय का कोई भाव निम्नलिखित में प्रतिपादित किया गया है,--

(क) विद्याराधीन करार के उपस्थिति में आवेदक द्वारा यह गई किसी विदेशी पर्याप्तता ना नियावत, या

(ख) आवेदक द्वारा किए गए किसी कार्य का नियावत जो किसी विदेशी गरकार या किसी कानूनी या अन्य लोक प्राविकारों या विदेशी राज्य में अधिकारण या विदेशी उद्यम के साथ ऐसे किसी व्यक्ति द्वारा किए गए संविवाद के अनुसार में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा चार्ड गई विरोध परियावरण का भाग है ।

28. उपरोक्त 27 (ख) के प्रतिनिर्वाचन से,--

(क) विदेशी परियावरण के नियावत के लिए विदेशी उद्यम या उद्यम के नाम जिसी प्रत्यक्षित द्वारा किए गए संविवाद की गारीब वे ।

(ख) क्या गमी सेवाएं आवेदक द्वारा--

(i) ऐसी संविवाद पर दृष्टान्त करने के पूर्व, या

(ii) संविवाद पर दृष्टान्त करने के प्रवाना, की गई थीं ।

आवेदक के हस्तान्तर गीर प्राविधिक

संस्थापन

में----- यह घोषित करता है कि ऊपर जो कुछ कृपित किया गया है वह मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विद्याय के दृनुसार सही है ।

आज तारीख----- 19-अगस्त संस्थापन किया गया ।

सातान

आवेदक के हस्तान्तर और प्राविधिक

टिप्पणी :—

*यदि हाँ, तो और दूसरी लेखा सुनायन तात्पत्र, और गम अनुच्छेद सलग किए जाए।

*करार, पदाधार विनियम या अन्य वस्तावेजों की लेखा गया-गित प्रतिक्रिया, जिनसे करार साक्षित होता हो, संलग्न को चाहिए। यह या टेलेक्स के विनियम द्वारा करार की बजाए में, प्रस्थानना और प्रतिप्रदृष्ट की शारीरिक की भी उल्लेख किया जाएगा।

***यह जाक्षित करार के लिए पत्राधार की प्रतिवां भवन करें कि पदाधार करार के विविधतों के लिए, जारी के पूर्व लिखित रूप में सहमत हो गए थे।

****यदि हाँ, तो उपरी संस्कृत विशिष्टिदादे और क्षय इन विशिष्टियों का केन्द्रीय सरकारीकृत्य प्रस्थान कर बाई/भूल्य अधिकृत द्वारा भन्नुमोदन किया गया था।

*****इस प्रयोगन के लिए “विवेशी परियोजना” से विविधत के लिए परियोजना अभियान है—

- (i) भारत के बाहर किसी भवन, सड़क, बांध, पुल या अन्य संरचना का सन्मरण,
- (ii) भारत के बाहर किसी गवानरी या संघर का सम्बंध या संस्थापन,
- (iii) ऐसे अन्य कार्य का नियादन (जाहे किसी जी प्रक्रिया का हो, जो विवित किया जाए।

[सं. 8135 फा.स. 142/9/88-टीपीएल]

विवेशी, मायूर, निदेशक (टीपीएल)
कन्द्राय प्रधान कर बांध।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th November, 1988

INCOME-TAX

S.O. 1108 (E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Tenth Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1989.

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(1) after rule 11D, the following rule shall be inserted, namely :—

“11E. Application for approval of Agreement under section 80-O.

The application to the Chief Commissioner or the Director General, as the case may be, under the first proviso to section 80-O for approval of any agreement shall be in Form No. 10F.”;

(2) in Appendix II, after Form No. 10E, the following Form shall be inserted, namely :—

“FORM NO. 10F

(SEE RULE 11E)

APPLICATION FOR APPROVAL OF AGREEMENT UNDER SECTION 80-O OF THE INCOME TAX ACT, 1961 RELATING TO DEDUCTION IN RESPECT OF ROYALTIES, ETC. FROM CERTAIN FOREIGN ENTERPRISES.

1. (i) Name and address of the applicant.
- (ii) State whether the applicant is an Indian Company as defined in section 2 (26) of the Income-tax Act, 1961.
- (iii) Permanent Account Number|General Index Register Number.
- (iv) ITO|AC|DC|CIT within whose jurisdiction the applicant has been assessed or is assessable.
- (v) Nature of business carried on in India.
- (vi) Whether this is the first application for approval under section 80-O?
2. ** (i) Date of agreement with the foreign party.
- (ii) If the agreement is signed by the parties on different dates indicate such dates :
- *** (iii) If the agreement purports to take effect from an earlier date indicate such date :
3. (a) Name and address of the foreign Government|foreign enterprise from whom the assessee received or will receive income in respect of which deduction is claimed :
- (b) If assessed in India, the Income Tax Circle where assessed with Permanent Account Number|General Index Register Number.
- (c) Nature and location of business, if any, carried on in India by the foreign enterprise.
4. Whether the income is received in consideration for —
 - (a) the use outside India of —
 - (i) any patent, invention, model, design, secret formula or process, or similar property right ;
 - or
 - (ii) information concerning industrial, commercial or scientific knowledge, experience or skill made available or provided or agreed to be made available or provided ;

(b) technical services rendered or agreed to be rendered outside India.

5. If the technical know-how falls under 4(a) (i) above, indicate :—

- (a) how the applicant acquired it or what arrangements he had made for acquiring it;
- (b) what are the applicant's own rights in respect thereof;
- (c) whether its provision to the other party to the agreement involves,—
 - (i) transfer of all or any right of the applicant in respect of it ; if so, please specify the nature and extent of the right transferred and manner of its transfer;
 - (ii) the imparting of any information concerning its working or use ; if so, please specify the information imparted and the manner of its imparting ;
 - (iii) its use by the other person to the agreement ; if so, please specify the nature and manner of the use.

6. If the technical knowhow falls under 4(a) (ii) above please specify :—

- (a) the arrangements available with the applicant for obtaining and imparting it ;
- (b) the manner of imparting ;
- (c) details of reports containing the said information furnished to the foreign party (enclose copies) ;
- (d) how the information was put to use by the foreign party.

7. (a) Details of the arrangements available with the applicant for rendering technical services in 4(b) above, and the mode of rendering such services.

(b) If technical services are rendered outside India :

- (i) the field in which services were rendered such as (engineering, computer hardware| software, shipping, advertisement, transport, material handling, dismantling of machinery, maintenance and operation of machinery, functional tests, commissioning, supervision.)
- (ii) whether the personnel deputed are applicant's own employees or advisers. If not, whether these persons are working under any contract or agreement, (in which case, copies of such agreements to be furnished.).

8. If technical personnel were deputed abroad :—

- (a) details of such technical personnel ;
- (b) period of stay abroad of each such person ; and
- (c) actual services rendered by each such persons ;

9. Does the agreement provide for supply of technical know-how or rendering of any services other than those covered by section 80-O (e.g. supply of goods, recruitment services, managerial, financial or sales services etc.). If so, please specify them and also the amount of consideration relatable to such activities.

10. Has the applicant made any arrangements or agreements with any other person, in India or abroad, for obtaining the technical know-how, to be provided under this agreement or for rendering technical services, if so, the details thereof, —

- (i) name and address of such other person ;
- (ii) details of the agreement or arrangement together with a certified copy of the written agreement, if any ;
- (iii) the nature and extent of applicant's relationship and association with such other person.

11. Whether any part of the services were rendered prior to the date of the agreement, if so, the portion of income relatable to such services which would have to be disallowed for purposes of section 80-O.

12. Whether the agreement imposes any trade restriction on the applicant, if so, the extent of such restriction and the amount of income relatable to such restriction to be disallowed under section 80-O.

13. Does the agreement provide for any —

- (a) training to be imparted in India ?
- (b) if so, the category and number of personnel to be trained and the period of such training.
- (c) the portion of fees relatable to such training in India which is to be disallowed for purposes of section 80-O out of the total fees under the agreement.

14. If the claim under section 80-O is for technical know-how and technical documentation relating to machinery or equipment supplied, does the agreement provide for;

- (a) such know-how and documentation being supplied by the applicant;
- (b) separate payment for such know-how and documentation; if so, details thereof;
- (if not, on what basis the claim is made under section 80-O).

15. (a) Whether the agreement provides for rendering any services in India.

(b) If so, indicate the portion of income relatable to such services which will have to be disallowed for purposes of section 80-O.

16. Is the agreement for the supply of technical personnel to the foreign party for use of the latter? If so, details thereof.

17. The nature of income in respect of which deduction is claimed, namely, royalty, commission, fees, or any similar payment.

18. The amount claimed for deduction under section 80-O of the Act alongwith computation of such amount.

19. The terms and mode of payment for supply of technical know-how, services.

20. (a) Whether the income has been received in India in convertible foreign exchange; if so, file documentary evidence thereof.

(b) If any part of the payment is other than by way of cash, indicate that portion with details.

21. What is the extent of control of the applicant in the day-to-day management of the foreign enterprise.

22. Has the applicant any other agreement (for trade, technical collaboration, or rendering services or for any other purpose) with the foreign party at (3) above. If so, copies of the same may be furnished.

23. If the agreement under consideration is —

(a) for renewal; (b) for extension; (c) for modification; or (d) in substitution of any earlier agreement — copies of original agreements should be furnished.

24. Particulars of any previous applications for approval under section 80-O with any foreign party including the party referred to at serial number 3

(a) Name of the foreign party.

(b) Date of agreement

(c) Date of application under section 80-O.

(d) Result of application (Copy of letter of approval/rejection to be enclosed).

25. (i) First assessment year in respect of which approval under section 80-O is sought for.

(ii) Subsequent assessment year, for which the approval is desired to be operative.

(iii) Previous year.

(iv) Method of accounting followed in respect of income under this agreement.

*****26. Did the applicant provide similar technical know-how or render similar technical services as under the present agreement to any other person?

27. Whether any part of the payment is derived from, —

(a) The execution of a foreign project undertaken by the applicant in pursuance of the agreement under consideration, or

(b) the execution of any work undertaken by the applicant and forming part of a foreign project undertaken by any other person in pursuance of a contract entered into by such other person with a foreign Government or any statutory or other public authority or agency in a foreign State or a foreign enterprise.

28. With reference to 27 (b) above, —

(a) furnish the date of the contract entered into by the other person with the foreign government or enterprise for the execution of the foreign project.

(b) whether all the services were rendered by the applicant —

(i) before the signing of such contract; or

(ii) after signing of the contract.

Signature and
designation of the applicant.
Verification

I.....do hereby declare
that what is stated above is true to the best of my
knowledge and belief.

Verified today, the..... day of.....
19.....

Signature and
designation of the applicant.

Place.....

NOTES :-

* If so, profit and loss account, Balance Sheet, Memorandum and Articles of Association to be enclosed.

** Notarised copies of agreement/exchange of correspondence or other documents evidencing the agreement to be enclosed. In the case of agreement by exchange of letters or telexes, dates of offer and acceptance shall also be mentioned.

*** Enclose copies of correspondence to evidence that parties had agreed in writing prior to that date to the terms of the agreement.

**** If so, please give brief particulars thereof and whether these were approved by the Central

Government|Central Board of Direct Taxes|Chief Commissioners.

***** "Foreign project" for this purpose means a project for —

- (i) the construction of any building, road, dam, bridge or other structure outside India;
- (ii) the assembly or installation of any machinery or plant outside India;
- (iii) the execution of such other work (of whatever nature) as may be prescribed.

[No. 8135/F, No. 142/9/88-TPL]

VIJAY MATHUR, Director (TPL)
(Central Board of Direct Taxes)

